

संपादकीय

बच्चों की शिक्षा में बड़ी चुनौती

दे शे के ग्रामीण हिस्सों में स्कूली बच्चों की शिक्षा की स्थिति पर एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एपीईआर) का ताजा संस्करण पहली नवर में जरूर चिंतित करता है, लेकिन समग्रता में देखने पर साधा हो जाता है कि हालात निराशाजनक नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण है। 14 से 18 साल के आधे से ज्यादा बच्चे अगर तीसरी-चौथी क्लास के मैथ के संपूर्ण डिविजन प्रॉब्लम साल्व न कर सकें, तो वह काफ़ी अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती। वहाँ यह है कि डिविजन करने की क्षमता को व्यावहारिक जीवन में काम आने वाली बुनियादी गणनाओं के लिए जरूरी माना जाता है। खास काम यह कि इन स्टूडेंट्स का एक बड़ा विस्तार मार्केट से कुछ ही कदम दूर है, लेकिन इस तथ्य को भुलाया नहीं जा सकता कि इस उम्र समूह के लोगों को रिपोर्ट में पिछली बार 2017 में कवर किया गया था और इस दौरान देश-दुनिया ने कोरोना महामारी की जबर्दस्त चुनौती झेली है। खास कर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई तो कोरोना काल में लगवाया थप ही हो गयी थी।

महामारी के संदर्भ में रिपोर्ट की दो बातें खास तौर पर ध्यान खींचती हैं। एक तो यह कि 89 फोसदी बच्चे ऐसे हैं, जिनके घर में स्पार्ट फोन है। बच्ची, 92 फोसदी बच्चों ने बताया कि वे स्पार्ट फोन

पुनौती बड़ी इसलिए भी है कि स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इस्युएल नहीं है, बल्कि बड़ी कक्षा में आने के बाट टीचर्स उच्ची क्लास के टेक्स्ट बुक को पाली करते हैं। उनके लिए बच्चों की बुनियादी समझ पर ध्यान देना मुश्किल होता है।

चलाना जानते हैं। निश्चित रूप से इसके पाठें महामारी के दौरान अन्नलाइन पढ़ाई की भजबूरी का बड़ा हाथ माना जा सकता है। दूसरी बात यह कि एसरोलमेंट की संस्था (86.8 फोसदी) का 2017 (85.6 फोसदी) से ज्यादा होना बताता है कि महामारी के दौरान आजीविका के नुकसान के चलते ज्यादातर बच्चों के दोबारा स्कूल न लौटने का डर गलत साबित हआ है। हालांकि इसी रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि किंतु एक तिहाई बच्चों 12वें से अगे नहीं पढ़ते। लड़कों के मामले में द्वांप्रां आउट की सबसे बड़ी वजह रुचि की कमी पायी गयी, तो लड़कियों के मामले में परिवारिक मजबूरी। निश्चित रूप से डेमोग्राफिक डिविडेंट पर ध्यान केंद्रित किये एक युवा देश के लिए यह चिंता की बात है। मैथश की बात हो या लैंगेज की, पढ़ाई में रिप्लायन अपने देश के लिए कोई नयी बात नहीं। एपीईआर की ही पिछली रिपोर्टों में यह बात रेखांकित की जाती रही है, लेकिन यह कोई बचाव नहीं हो सकता। चुनौती बड़ी इसलिए भी है कि स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं है, क्योंकि बड़ी क्षक्ष में आने के बाद टीचर्स उच्ची क्लास के टेक्स्ट बुक को फॉलो करते हैं। उनके लिए बच्चों की बुनियादी समझ पर ध्यान देना मुश्किल होता है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, लेकिन दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनॉमी बनने की राह पर बढ़ रहा देश इस चुनौती से मुँह नहीं मोड़ सकता।

अभिमत आजाद सिपाही

देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातियों के हित में सोचा और अलग से जनजातीय मंत्रालय का गठन किया। उस काम को प्रधानमंत्री मोदी जी तेजी से आगे बढ़ावा दिया गया। जिनका मूलभूत उद्देश्य पिछे और अंतिम छोर में छढ़े व्यक्ति को ज्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना है।

पीएम जनमन: कमज़ोर जनजातीय समूहों के लिए एक आशा की किरण



अर्जुन सूंदा

जनजातीय समाजकरण, गौरवशाली भारत के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वित्त दशक के कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अतुलनीय हैं। आजादी के बाद सरकारों तो बदलती थी पर उनके एजेंट में अनुसूचित जनजातीय समाज दूर दूर तक कहाँ नजर नहीं आता था। देश अगे बढ़ता गया और जनजातीय समाज वहीं का वहीं रह गया। मूलभूत सुविधाओं की कमी और राजनीतिक उपेक्षाओं के कारण जनजातीय समाज मुख्यधारा से दूर रह गया। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय के हित में सोचा और अलग से जनजातीय मंत्रालय का गठन किया। उस काम को प्रधानमंत्री मोदी जी तेजी से आगे ले गये। जनजातीय समाज को राजनैतिक एवं सामाजिक ढंग से सशक्त करना यदि किसी मायने में कोई कर पाया है, तो वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चिंतन हमेशा ऐसी योजनाओं को धरातल पर लाने का होता है। जिनका मूलभूत उद्देश्य पिछड़े और अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को ज्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना होता है। प्रधानमंत्री के संकल्प के कार्य को गति देते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के बारे योजना को धरातल पर लाने के लिए विस्तरित कार्य योजना को अंतिम छोर में प्रयोग किया। जिनका मूलभूत उद्देश्य पिछड़े और अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को ज्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना होता है। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंदा की जनभूमि से जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महा अधियान प्रधानमंत्री जनजाति अदिवासी न्याय महा अधियान (पीएम जनमन) का शुभारंभ किया। यह एक ऐसी परियोजना है। इसी सोच के कार्यकारी काम के लिए एक अवसर है।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी। जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के लिए एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली के संस्थानों में खड़े व्यक्ति को ज्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना होता है।

पीवीटीजी समुदाय अवसर वन क्षेत्रों के सुदूर और दुम्प विस्तरों में रहते हैं। पीएम जन मन अधियान को आरंभ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकारें पहले आकड़ों को जोड़ने का काम करती थी लेकिन मैं आकड़ों को नहीं, बल्कि जिंदी को जोड़ना चाहता हूं। यह प्रधानमंत्री की जनजातीय समुदायों के प्रति संवेदनशीलता को जारी रखता है।

प्रधानमंत्री के संकल्प के कार्य को गति देते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के लिए एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली के संस्थानों में खड़े व्यक्ति को ज्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना होता है। जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के कार्यकाल में एक अवसर करते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तरित कार्य योजना को आगोन कर कर्यान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गयी।

